विवान 6

पाठ 1. उषा आ रही है

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य उषा काल अर्थात् प्रात: काल के सुंदर और मनोहारी वर्णन द्वारा बच्चों को प्रकृति के निकट ले जाना है। साथ ही, उषा के आगमन पर प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों का वर्णन करते हुए बच्चों को जीवन में आने वाली चुनौतियों एवं परिवर्तनों के लिए तैयार करना है।

कविता का सारांश

उषा अर्थात् सुबह के आने पर संपूर्ण जगत जाग जाता है तथा रात का अँधेरा गायब हो जाता है। जीवन अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होता है। पक्षी चहचहाने लगते हैं तथा तारे छिप जाते हैं। इस सवेरे से आँखों में नए-नए सपनों की चमक दिखाई दे रही है। उषा घने कुहरे को दूर करके मंद-मंद मुसका रही है।

अध्यापन संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से कविता के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। उन्हें कविता का मूल भाव बताने को कहें।

कविता की पंक्तियों में छिपा भाव स्पष्ट करें। **नई ज़िंदगी पाश .... अँगड़ा रही है।**–इन पंक्तियों का अर्थ है कि जो लोग अपनी परेशानियों से, राह की बाधाओं से निराश हो गए थे, यह उषा अर्थात् सुबह उनके जीवन को बाधाओं से सामना करने के लिए प्रेरित कर रही है।

नए स्वप्न .... लहरा रही है।–इन पंक्तियों का अर्थ है कि प्रत्येक नया दिन एक नई शुरुआत लेकर आता है। यह प्रभा अर्थात् सुबह लोगों को अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर अग्रसर कर रही है।

हृदय में उषा .... मुसका रही है।–इन पंक्तियों का अर्थ है कि जब सवेरा होता है तब प्रकृति के चारों ओर फैली कोहरे की चादर कहीं गुम हो जाती है और सुबह की लाली कोहरे का दमन करती हुई मुसकराती हुई प्रतीत होती है। इसका भावार्थ यह है कि जब मनुष्य अपने अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर देता है तब उसका हृदय नई उमंग और खुशी से भर जाता है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- 'नया दिन, नई शुरुआत' ऐसा क्यों कहा जाता है? क्या वास्तव में तुम ऐसा मानते हो?
- कौन-सा अँधेरा अधिक घना होता है? अज्ञान का अँधेरा अथवा प्राकृतिक अँधेरा?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।